

Im Reiche der Großeltern

GESCHICHTEN UND ERINNERUNGEN
DEUTSCHSPRACHIGER DICHTER
HERAUSGEGEBEN VON ANDREA WILLI

ARTEMIS VERLAG ZÜRICH
UND MÜNCHEN

INHALT

| | |
|---|------|
| JOHANN WOLFGANG GOETHE | |
| Von den Weissagungen und Ahnungen des Großvaters. | 7 |
| JEAN PAUL | |
| Kind mit Dorf seele }. | r2 |
| TEREMIAS GOTTHELF | |
| Meine Kindheit | .17 |
| HEINRICH HEINE | |
| «Gesottene Katze scheutdenkochendenKessel». | .32 |
| ADALBERT STIFTER | |
| «Dulceest...». | .37 |
| THEODOR STORM | |
| Im Saal. | .44 |
| GOTTFRIED KELLER | |
| Die Sippschaft | .51 |
| MARIE VON EBNER-ESCHENBACH | |
| Die erste Beichte. | .59 |
| WILHELM RAABE | |
| Großmutter, erzählen Sie! | .86 |
| CAKL SPITTELER | |
| Die Großmutter. | .99 |
| In der Wirtsstube. | .100 |
| GERHART HAUPTMANN | |
| Ein ortsgewaltiger und ehrfurchtgebietender Großvater. • . . . | 104 |

| | |
|---|--|
| THOMAS MANN | |
| Little | Grandma 107 |
| EUGEN ROTH | |
| Der | Haustyrann 117 |
| CARL ZUCKMAYER | |
| Schaumkonfekt und Kaiser | Wühelm 123 |
| BERTOLT BRECHT | |
| Die | unwürdige Greisin 135 |
| ELIAS CANETTI | |
| Senor | Padre 141 |
| CÉCILE LAUBER | |
| Großvater | Bischof 148 |
| HEINRICH BÖLL | |
| Das | saure dunkle Brot der Kindheit 155 |
| GÜNTER GRASS | |
| Der | weite Rock 161 |
| THOMAS BERNHARD | |
| Die Großväter sind die eigentlichen Philosophen . . . | 170 |
| Kein einfacher Mann | 175 |
| CHRISTINE NÖSTLINGER | |
| Der | Großvater 184 |
| GEROLD SPÄTH | |
| Wo meine Großmutter herkam | und wie sie mir wegkam r94 |
| BARBARA FRISCHMUTH | |
| Meine | Großmutter und ich 218 |
| CHRISTOPH GEISER | |
| Die | Hauptperson 225 |
| Nachwort von Andrea Willi 233 | |
| Anmerkungen 250 | |